वृष राशि

जनवरी

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख अनुकूल रहेगा। गोचर में स्थित शुभ ग्रह बृहस्पति के केन्द्रिय प्रभाव के कारण शारीरिक कोई भी घटनाएं नहीं घटेंगी। जठराग्नि प्रदीप्ति रहेगी। मनोनुकूल खान-पान का अभाव रहने के कारण शरीर तेज विहीन तथा वृद्ध जैसा दिखाई देगा, यद्यपि किसी भी शारीरिक तत्वों की कमी नहीं पाई जायेगी। शारीरिक रमणीयता तथा कान्ति में कमी एवं श्यामलता में वृद्धि सम्भव है। अनियमित आहार-विहार के कारण शारीरिक कृशता में वृद्धि भी सम्भव है, किन्तु रोगों का प्रादुर्भाव नहीं होगा। शारीरिक अंग-प्रत्यंग में किसी विकार की सम्भावना नहीं है। क्रोधावेग में आने के कारण शारीरिक-मानसिक आघात भी सम्भव है। स्वाभिमान के कारण किसी के सामने झुकना नहीं चाहेंगे, जिसके कारण भी शारीरिक कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। ग्रह-गोचरों के आधार पर आहार की व्यवस्था पराधीन ही रहने की सम्भावना है। स्वयं के साधन के कारण स्वानुकूल ऊर्जा प्राप्त होने से शरीरिक सबलता बनी रहेगी। अर्थाभाव के कारण विशेष चिन्तातुर रहेंगे, फिर भी शरीर की सुरक्षा निश्चित रहेगी।

आर्थिक स्थिति- पूर्व मास की अपेक्षा यह मास आर्थिक क्षेत्र में सफलता देने वाला रहेगा। इस राशि वाले यदि नौकरी में रत हों तो उसके माध्यम से निर्धनता को दूर करने में समर्थ रहेंगे। आर्थिक स्थिति में उन्नति की दशा चलेगी। धीरे-धीरे दुःख-दरिद्रताओं का शमन करके धनवान समय व्यतीत करेंगे। इस राशि वाले यदि व्यापार कर्म में प्रवृत्त हों तो व्यापार के क्षेत्र में आशातीत सफलता की प्राप्ति होगी, जिससे फूले नहीं समायेंगे। यह माह आर्थिक क्षेत्र के लिए अति उत्तम रहेगा। आर्थिक प्रचुरता के कारण पारिवारिक जनों का भरण-पोषण तथा भवनों का जीर्णोद्धार कराकर अति मुदित रहेंगे। नवीन योजनायें बनायेंगे, किन्तु उनमें सफलता संदिग्ध ही रहेगी। धन का अधिकांश भाग रोगों तथा पारिवारिक विकास में ही व्यय होगा।

पारिवारिक स्थिति- पारिवारिक स्थिति सन्तोषजनक नहीं रहेगी। पारिवारिक जनों के प्रति किए गये उपकार तथा यश का कोई प्रभाव नहीं रहेगा। पारिवारिक जनों में रोग-शोक तथा भय के व्याप्त रहने की सम्भावना रहेगी। पितृदोष की अधिकता के कारण धन-धान्य की कमी, बुद्धि भ्रष्टता का प्रादुर्भाव अधिक रहेगा। पारिवारिक जनों को आर्थिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। वास्तुदोष के कारण भी पारिवारिक वाद-विवाद तथा क्लेश में वृद्धि होगी। परिवार में सामंजस्य तथा एकता-अखण्डता का भाव स्थिर रखना दुर्लभ सिद्ध होगा। जीवनसाथी का स्वभाव उग्र रहेगा। रोगों की प्रधानता के कारण औषधियों का सहारा अधिक लेना पड़ेगा।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह मास उत्तम नहीं रहेगा। समयाभाव तथा निद्रा, तन्द्रा एवं आलस्य के कारण अध्ययन-अध्यापन से दूर ही रहेंगे। शास्त्रों का अध्ययन तथा ज्ञान विष तुल्य लगेगा। पूर्व अनुभव तथा ज्ञान के द्वारा शास्त्रों का अनुभव लोगों तक प्रसारित करके यश तथा धन में वृद्धि कर सकते हैं।

फरवरी

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। रोगों का विनाश होगा, फिर भी कृशकाय दिखाई पड़ेंगे।

मित्र- मित्रों का अभ्युदय होगा। मित्रों से लाभ की अपेक्षा न करें। मित्रों द्वारा निन्दा का सामना करना पड़ सकता है।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति सन्तोषजनक रहेगी। अर्थागम में धीरे-धीरे सफलता प्राप्त होगी।

प्रतिष्ठा- यश, प्रतिष्ठा तथा मान-सम्मान के क्षेत्र में विफल रहेंगे। लोगों के मध्य अपयश तथा निन्दा का सामना करना पड़ सकता है।

आहार- समुचित तथा स्वानुकूल आहार न मिलने से मानसिक ग्लानि नहीं होगी। भाग्य का दोष देकर आत्मसन्तोष करेंगे।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह मास उत्तम नहीं रहेगा। समयाभाव के कारण अध्ययन-अध्यापन से दूर ही रहेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी के स्वास्थ्य से निराशा की भावना जागृत होगी। परस्पर क्लेश में वृद्धि होगी और मनमुटाव भी सहन करना पड़ेगा।

सन्तान- सन्तान पक्ष से कुछ निराशा रहेगी। भविष्य के प्रति सक्रिय नहीं रहेंगे। अनुशासनहीन तथा रोगों से विकल रहेंगे।

मार्च

स्वास्थ्य- शारीरिक स्वास्थ्य में अनुकूलता रहेगी। शारीरिक स्वास्थ्य की अनुभूति करेंगे।

मित्र- मित्रों से शत्रुता रहेगी। समागम के अवसर कम ही मिलेंगे। मित्रों द्वारा मिथ्या कलंक का सामना करना पड़ सकता है।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति सामान्य स्तर की रहेगी। किसी भी प्रकार से जीविकोपार्जन करने में सफल रहेंगे।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा में कमी रहेगी। लोगों द्वारा अपमानित होंगे।

आहार- निकृष्ट भोजनों को ग्रहण करेंगे, मानसिक व्यथा रहेगी।

अध्ययन- अध्ययन की भावना का अभाव रहेगा। भविष्य के लिए अवरोधक विषयों के अध्ययन में रुचि रखेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ अंश में विकारमय रहेगा। आपसी क्लेश तथा पृथकता की स्थिति आयेगी।

सन्तान- सन्तानों में आपसी विरोध रहेगा। सन्तानें माता-पिता से शत्रुता रखेंगी।

अप्रैल

स्वास्थ्य- शारीरिक स्वास्थ्य में किंचित विकार आयेंगे। किन्तु अल्प समय में तथा अल्प औषधियों द्वारा रोगों का निदान होगा।

मित्र- मित्रों से ईर्ष्या रहेगी। मित्रों से समागम करने में कष्ट का अनुभव करेंगे। मित्रों से परस्पर विरोध होंगे।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति में कुछ विघ्नों का सामना करना पड़ सकता है। अल्प समय में सुधार की दशा बनेगी।

प्रतिष्ठा- लोग स्नेह तथा प्रतिष्ठा की दृष्टि से नहीं देखेंगे। अपमान सहन करके समय व्यतीत करेंगे।

आहार- आहार के क्षेत्र में दु:ख की अनुभूति करेंगे। उचित तथा समय से आहार की प्राप्ति नहीं होगी।

अध्ययन- ग्रह गोचर के आधार पर अध्ययन की दशा नहीं बनेगी। अध्ययन-अध्यापन से पृथक ही रहेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी के स्वास्थ्य में सुधार होगा। आपस में सामंजस्य बनाकर अधिकारों की पूर्ति करने में सफल रहेंगे।

सन्तान- सन्तान पक्ष निर्बल रहेगा। सन्तानों के प्रति सनेह में कमी रहेगी। आंशिक विवादों का सामना भी करना पड़ सकता है।

मई

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य में कुछ कमी रहेगी। सर्दी-जुकाम तथा कफ के प्रकोप के कारण औषधियों का सेवन करना पड़ेगा।

मित्र- मित्रों से छल-कपट की स्थिति बन सकती है। मित्रों से वाद-विवाद के कारण अपमानित भी हो सकते हैं।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति में निर्बलता रहेगी। ऋण द्वारा आवश्यकताओं की पूर्ति करेंगे।

प्रतिष्ठा- पारिवारिक तथा सामाजिक प्रतिष्ठा में कमी रहेगी। भ्रातृ द्वारा अपमान की स्थिति बनेगी।

आहार- अशुद्ध व्यंजनों का सेवन करेंगे, किन्तु मानसिक प्रसन्नता रहेगी। कुछ उपहार स्वरूप अन्न दान की भी प्राप्ति सम्भव है।

अध्ययन- अध्ययन के क्षेत्र में घृणा की भावना रहेगी और इसको मिथ्या सिद्ध करने का प्रयत्न करेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी को रोगों में लाभ होगा। क्लेश में कमी आयेगी। सामंजस्य में वृद्धि होगी।

सन्तान- सन्तानों में संस्कार की भावना जागृत होगी। सत्य पथ पर चलने के लिए अग्रसर रहेंगे।

जून

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख अति उत्तम रहेगा। खान-पान की अति उत्तम व्यवस्था बनेगी। शारीरिक स्थूलता में वृद्धि होगी।

मित्र- मित्रों से भेंट का सुअवसर मिलेगा। मित्रों के प्रति सद्भावना तथा व्यय की स्थिति आयेगी।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं रहेगी। अर्थाभाव के कारण पारिवारिक भरण-पोषण करने में समर्थ नहीं हो पायेंगे।

प्रतिष्ठा- पारिवारिक तथा सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी और पारिवारिक तथा सामाजिक लोगों के प्रति गौरवान्वित होंगे।

आहार- मनोनुकूल आहार प्राप्त करने का सौभाग्य मिलेगा। इच्छित आहार के कारण तन-मन की सबलता बनी रहेगी।

अध्ययन- ज्ञान विषयक विषयों के अध्ययन से विमुख रहेंगे। ज्ञान विहीन तथा निरर्थक ग्रन्थों के अध्ययन में रत रहेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी को उदर विकार से कष्ट होगा। शारीरिक उष्णता बढ़ेगी। फोड़े-फुंसी से भय बना रहेगा।

सन्तान- सन्तान पक्ष में निर्मलता तथा पवित्रता आयेगी। संस्कार के अनुकूल चलने की भावना बनेगी।

जुलाई

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुदृढ़ तथा उत्तम रहेगा। पूर्व रोगों का नाश तथा अंगों में सबलता आयेगी।

मित्र- अकस्मात् मित्रों का आगमन से अपार सुख मिलेगा। मित्रों को आर्थिक सहायता प्रदान करेंगे।

आर्थिक स्थिति- अर्थाभाव के कारण किसी भी कार्य में सफलता नहीं मिलेगी। अर्थहीनता के कारण पारिवारिक तथा स्वयं के कार्यों में अवरोध की स्थितियाँ आयेंगी।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सदाचार के द्वारा श्रेष्ठ जनों का आशीर्वाद प्राप्त करके कृत्य-कृत्य होंगे।

आहार- स्वास्थ्य के अनुकूल पुष्टिकर आहार मिलेगा। शारीरिक कान्ति में वृद्धि होगी। अंगों की शिथिलता दूर होगी।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के प्रति रुचि रहेगी। विविध ग्रन्थों तथा शास्त्रों के अध्ययन-अध्यापन में रुचि रखेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी की आरोग्यता में स्थिरता रहेगी। दाम्पत्य जीवन में सामंजस्य बना रहेगा। स्त्री पक्ष से कुछ लाभ की स्थिति बनेगी।

सन्तान- सन्तानों में रोगों के कारण विकास में बाधाएं आयेंगी। चारित्रिक पतन के कारण पारिवारिक तथा सामाजिक निन्दा का सामना करना पड़ सकता है।

अगस्त

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य में सुदृढ़ता आयेगी। शारीरिक निर्बलता का विनाश होगा। पाचन क्रिया में सुधार की स्थिति आयेगी।

मित्र- मित्रों के साथ अच्छे सम्बन्ध बनेंगे। मित्रों में मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। मित्रों से लाभ भी होंगे। मित्रों के आभारी रहेंगे।

आर्थिक स्थिति- बार-बार स्थानान्तरण से आर्थिक स्थिति में निर्बलता आयेगी। आय के अनुसार व्यय की अधिकता रहेगी।

प्रतिष्ठा- परिवार के द्वारा अपमानित होंगे। स्त्री तथा पुत्रों द्वारा सम्मान प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगे। वाह्य जगत में सम्मान की वृद्धि होगी।

आहार- मनोनुकूल आहार न मिलने पर भी आत्मसन्तोष करेंगे। कभी-कभी भोजन के अभाव का सामना करना पड़ सकता है।

अध्ययन- वेद-पुराण तथा शास्त्रों के अध्ययन में रुचि रखेंगे, किन्तु आलस्य तथा समयाभाव के कारण सफलता संदिग्ध रहेगी।

जीवनसाथी- जीवनसाथी के साथ अच्छे सम्बन्ध रहेंगे। जीवनसाथी का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। जीवनसाथी के उपदिष्ट मार्ग पर चलेंगे तथा लाभ भी प्राप्त करेंगे।

सन्तान- सन्तानों को शारीरिक कष्ट होगा। आलस्य तथा प्रमाद के कारण अर्थाभाव की स्थिति में रहेंगे। कभी-कभी वाद-विवाद की सम्भावना बनेगी।

सितम्बर

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य में सुधार की स्थिति आयेगी। अंग-प्रत्यंग हृष्ट-पुष्ट दिखाई पड़ेंगे। उच्च मनोबल से युक्त रहेंगे।

मित्र- मित्रों का अभ्युदय होगा, किन्तु मान-सम्मान में कमी की भावना से मित्रगण तिरष्कृत होंगे। मित्रों से पृथक रहना पसन्द करेंगे।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति में वृद्धि होगी। अर्थागम के प्रभाव से पारिवारिक तथा सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

प्रतिष्ठा- मान-प्रतिष्ठा का स्तर नीचे गिरेगा। लोगों के बीच सम्मान की हानि होगी। मानसिक व्यथा से पीड़ित रहेंगे।

आहार- मनोनुकूल आहार के कारण मानसिक प्रसन्नता बढ़ेगी। सात्विक तथा हरे पदार्थों का अधिक प्रयोग करेंगे। मानसिक तथा शारीरिक आरोग्यता का अनुभव करेंगे।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के लिए यह माह अच्छा नहीं है। अध्ययन-अध्यापन से विमुख रहना ही श्रेयष्कर सिद्ध होगा।

जीवनसाथी- जीवनसाथी के चरित्र पर आशंका की स्थिति बनेगी। जीवनसाथी से पृथक रहना पड़ेगा। समाज में निन्दा के पात्र बनेंगे।

सन्तान- सन्तानों में पवित्र भाव उत्पन्न होंगे। सन्तानों से माता-पिता तथा परिवार की प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

अक्टूबर

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य के प्रति सन्तुष्टि रहेगी। रोगों से दूर ही रहेंगे। शारीरिक अंगों में विकास तथा स्फूर्ति रहेगी।

मित्र- मित्रों के घर मांगलिक कार्यों में भाग लेने का सुअवसर प्राप्त होगा। सुन्दर मिष्ठान्नों तथा उपहारों से हार्दिक प्रसन्नता बढ़ेगी। मित्रों को अर्थदान भी देंगे।

आर्थिक स्थिति- इच्छापूर्ति के अनुसार आय होगा। अर्थाभाव के कारण कोई कार्य स्थगित नहीं करना पड़ेगा। आर्थिक स्थिति विकासोन्मुख रहेगी।

प्रतिष्ठा- चमत्कारिक कार्यों के कारण मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा यश और धन की मनोनुकूल प्राप्ति होगी।

आहार- आहार की उत्तम प्राप्ति होने से मानसिक प्रसन्नता में स्थिरता आयेगी। अधिक उपाहार के कारण अजीर्ण रोग से पीड़ित भी हो सकते हैं।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के कार्यों में प्रसन्नता नहीं रहेगी। अध्ययन-अध्यापन करना उचित नहीं समझेंगे। वाद-विवाद रूपी अध्ययन करके अशान्ति पैदा करने में सफलता प्राप्त करेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। पूर्व रोगों का क्षय होगा। शारीरिक आभा में वृद्धि का आभास होगा।

सन्तान- सन्तान पक्ष में आय के स्रोत बढ़ेंगे। ईश्वर तथा गुरुजनों की सेवा करके कृतार्थ होंगे। माता-पिता के आदेशानुसार कार्य करेंगे, जिससे माता-पिता का मनोबल बढ़ता प्रतीत होगा।

नवम्बर

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य सुख में आंशिक कमी रहेगी। आंशिक शीत-ज्वर तथा दर्द के कारण मानसिक सन्ताप होंगे, किन्तु अल्प समय में ही विकारों में कमी आयेगी।

मित्र- मित्रों के सहयोग से कार्य करने में समर्थ रहेंगे। मित्रों के आगमन तथा शिष्टाचार के द्वारा मानसिक व्यथा समाप्त होगी। मित्रों के प्रति प्रत्युपकार की भावना जागृत होगी।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति मध्यम रहेगी। मनोनुकूल धन की प्राप्ति न होने से आंशिक खेद प्रकट करेंगे, किन्तु किसी कार्य में रुकावट की स्थिति नहीं आयेगी।

प्रतिष्ठा- उत्तम मान-यश-प्रतिष्ठा के भागी बनेंगे। उत्तम कार्यों की कीर्ति दूर-दूर तक फैलेगी। प्रतिष्ठा के क्षेत्र में प्राथमिकता मिलेगी।

आहार- स्वास्थ्य सुधार हेतु इच्छित आहार की प्राप्ति होती रहेगी। दूध-घृत का सेवन करके शारीरिक कमियों को दूर करके शक्तिशाली बनेंगे।

अध्ययन- अध्ययन-अध्यापन के प्रति श्रद्धा जागृत होगी। रहस्यमयी विद्या के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। धन-यश की प्राप्ति होगी।

जीवनसाथी- जीवनसाथी को विशेष निर्बलता रहेगी। शारीरिक दर्द का सामना करना पड़ सकता है। प्रमेह रोग के कारण क्रोध तथा शारीरिक कृशता में वृद्धि होगी।

सन्तान- सहसा पुत्रों का भाग्योदय होगा। पुत्रों के क्रिया-कलापों से आत्मसन्तुष्टि मिलेगी। साहस के द्वारा कठिन से कठिन कार्यों को सुलभ बनाने में सक्षम रहेंगे।

दिसम्बर

स्वास्थ्य- स्वास्थ्य में आंशिक कमी रहेगी। पाचन क्रिया में विकार उत्पन्न होने के कारण गैस की बीमारी से पीड़ित रहेंगे। चिड़चिड़ापन की प्रवृत्ति अधिक रहेगी।

मित्र- मित्रों से दूरी बनी रहेगी। मित्रों के समाचार से क्रोधित होंगे। मित्रों से कुछ काल के लिए भिन्नता रहेगी।

आर्थिक स्थिति- आर्थिक स्थिति में निर्बलता रहेगी। पारिवारिक रोगों तथा शत्रुओं के संघर्ष में विशेष धन व्यय होंगे। अर्थाभाव के कारण पारिवारिक भरण-पोषण करने में समर्थ नही रहेंगे।

प्रतिष्ठा- समाज में उत्तम मान-प्रतिष्ठा-यश की प्राप्ति होगी। बन्धुगण सम्मान की दृष्टि से देखेंगे और सामाजिक प्रतिष्ठा में कोई कमी नहीं आयेगी।

आहार- उत्तम आहारों से आत्मसन्तुष्टि मिलेगी। विविध व्यंजनों एवं मिष्ठान्नों के सेवन का सौभाग्य प्राप्त होगा।

अध्ययन- आध्यात्मिक प्रवृत्ति में रुचि रहेगी, ईश्वर तथा जीव में क्या भेद है, इस रहस्य के ज्ञान का अध्ययन करेंगे। ईश्वर की प्राप्ति हेतु सद्गुरु की खोज करने के लिए विशेष इच्छुक रहेंगे।

जीवनसाथी- जीवनसाथी के रोगों के प्रति चिन्ता नहीं रहेगी। जीवनसाथी के साथ सामंजस्य बनाकर आनन्द की अनुभूति करेंगे।

सन्तान- सन्तानों की प्रतिभा तथा बुद्धि की सराहना से मानसिक सन्तुष्टि होगी। पुत्रों के भाग्योदय के आसार सामने आयेंगे। पुत्रों में कुछ परस्पर विरोध होंगे।

सावधानियाँ एवं उपाय

१. परिवार में वाद-विवाद, क्लेश न करें।

२. जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

३. क्रोध पर नियन्त्रण रखें तथा माता का सम्मान करें।

४. अरिष्ट शनि को अनुकूल बनाने के लिए अधीनस्थों से सामंजस्य बनाये रखें, उनके अनुसार कार्य करें।

५. बार-बार स्थान परिवर्तन न करें।

६. क्रोध पर नियन्त्रण करने के लिए मोती की माला सोमवार के दिन सोम की होरा में अवश्य धारण करें और ‘‘श्रां श्रीं सः चन्द्रमनसे नमः’’ मन्त्र की सोमवार के दिन एक माला जप अवश्य करें और इसी मन्त्र से ढाक (पलाश) की लकड़ी एवं फूल से हवन करें।

७. असत्य भाषण कदापि न करें, धर्म-न्याय का पालन करें, शनि शुभ होकर इच्छित फल अवश्य देगा।

८. काले घोड़े के नाल अथवा नाव के कील की अँगूठी शनिवार के दिन मध्यमा अँगुली में अवश्य धारण करें।

९. शनिवार अथवा मंगलवार के दिन हनुमान जी का दर्शन अवश्य करें और शनिवार के दिन सुन्दर काण्ड अथवा हनुमान चालीसा का पाठ भी करें।

१०. ‘‘ऊँ खां खीं खौं सः शनैश्चराय नमः’’ मन्त्र का जप करें तथा शनिवार के दिन इसी मन्त्र से शमी की लकड़ी से १०८ बार हवन करें।